शिक्षा निदेशालय, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, दिल्ली

मध्यावधि अभ्यास प्रश्न-पत्र

सत्र: 2025-2026

कक्षा-X

विषय-हिंदी 'अ' (कोड-002)

अवधि: 3 घंटे **अधिकतम अंक : 80 अंक**

सामान्य निर्देश:

निम्नलिखित निर्देशों को सावधानी से पढ़िए और उनका सख्ती से अनुपालन कीजिए:

(i) इस प्रश्नपत्र में कुल चार खंड हैं- क, ख, ग और घ।

(ii) इस प्रश्नपत्र में कुल 15 प्रश्न हैं। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

(iii) प्रश्नपत्र में आंतरिक विकल्प दिए गए हैं।

(iv) प्रश्नों के उत्तर दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए लिखिए।

खंड - क

(अपठित बोध) **14**

प्रश्न1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उस पर आधारित दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए: 7

जिस मनुष्य के हृदय में ईर्ष्या घर बना लेती है, वह उन चीज़ों से आनंदित नहीं होता जो उसके पास मौजूद हैं, बल्कि उन वस्तुओं के लिए दुखी होता है जो दूसरों के पास हैं। वह अपनी तुलना दूसरों के साथ करता है और इस तुलना में अपने पक्ष के सभी अभाव उसके हृदय पर दंश मारते हैं। एक उपवन को पाकर प्रकृति को धन्यवाद देते हुए उसका आनंद नहीं लेना और बराबर इस चिंता में निमग्न रहना कि इससे भी बड़ा उपवन क्यों नहीं मिला? यह ऐसा दोष है जिससे ईर्ष्यालु व्यक्ति का चरित्र भी भयंकर हो उठता है। अपने अभाव पर दिन-रात सोचते-सोचते वह सृष्टि की प्रक्रिया को भूलकर विनाश में लग जाता है और अपनी उन्नति के लिए उद्यम करना छोड़कर वह दूसरों को हानि पहुँचाने को ही अपना श्रेष्ठ कर्तव्य समझने लगता है। जो व्यक्ति ईर्ष्यालु होता है वही बुरे किस्म का निंदक भी होता है। दूसरों की निंदा वह इसलिए करता है कि इस प्रकार दूसरे लोग, जनता अथवा मित्रों की आँखों से गिर जाएँगे और जो स्थान है उस पर मैं अनायास ही बैठा दिया जाऊँगा। मगर ऐसा न आज तक हुआ है और न होगा। दूसरों को गिराने की कोशिश तो अपने को बढ़ाने की कोशिश नहीं कही जा सकती। एक बात और है कि संसार में कोई भी मनुष्य निंदा से नहीं गिरता। उसके पतन का कारण सद्गुणों का ह्रास होता है। इसी प्रकार कोई भी मनुष्य दूसरों की निंदा करने से अपनी उन्नति नहीं कर सकता। उन्नति तो उसकी तभी होगी जब वह अपने चरित्र को निर्मल बनाए तथा गुणों का विकास करे। ईर्ष्या का काम जलाना है मगर सबसे पहले वह उसी को जलाती है, जिसके हृदय में उसका जन्म होता है। ईर्ष्या मनुष्य के मौलिक गुणों को ही कुंठित बना डालती है।

(क) गद्यांश के अनुसार ईर्ष्या का व्यक्ति पर क्या प्रभाव होता है? 1

(i) जीवन में खुशहाली आना

(ii) मानवता का विकास होना

(iii) मानसिक शांति भंग होना

(iv) सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ना

(ख) निम्नलिखित कथन और कारण पर विचार करते हुए उपयुक्त विकल्प का चयन कर लिखिए: 1

कथन : ईर्ष्या पहले उसी को जलाती है, जिसके हृदय में उसका जन्म होता है।

कारण : ईर्ष्या मनुष्य के मौलिक गुणों और रचनात्मकता का विकास करती है।

विकल्प -

(i) कथन गलत है, किंतु कारण सही है।

(ii) कथन और कारण दोनों गलत हैं।

(iii) कथन सही है और कारण कथन की सही व्याख्या है।

(iv) कथन सही है किंतु कारण कथन की सही व्याख्या नहीं है।

(ग) गद्यांश के अनुसार यदि मनुष्य ईर्ष्या से मुक्त हो जाए तो उसे क्या लाभ होगा/होंगे? 1

उचित विकल्प का चयन कीजिए-

(I) मौजूद वस्तुओं का आनंद ले पाएगा

(II) निंदा और द्वेष भाव से दूर रहेगा

(III) दूसरों की उपलब्धियों से प्रेरित होगा

(IV) उसके मौलिक गुण कुंठित हो जाएँगे

विकल्प

(i) कथन (I) और (II) सही हैं।

(ii) केवल कथन (III) सही है।

(iii) कथन (II) और (IV) सही हैं।

(iv) कथन (I), (II) और (III) सही हैं।

(घ) गद्यांश के अनुसार एक ईर्ष्यालु व्यक्ति 'निंदक' क्यों बन जाता है? 2

(ङ) गद्यांश के अनुसार ईर्ष्या मनुष्य की उन्नति में बाधक क्यों हैं? 2

प्रश्न 2. निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उस पर आधारित पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए: 7

हुँकारों से महलों की नींव उखड़ जाती,

साँसों के बल से ताज हवा में उड़ता है,

जनता की रोके राह, समय में ताव कहाँ?

वह जिधर चाहती, काल उधर ही मुड़ता है।

अब्दों, शताब्दियों, सहस्त्राब्द का अंधकार

बीता; गवाक्ष अंबर के दहके जाते हैं;

यह और नहीं कोई, जनता के स्वप्न अजय

चीरते तिमिर का वक्ष उमड़ते जाते हैं।

सब से विराट जनतंत्र जगत का आ पहुँचा,

तैंतीस कोटि-हित सिंहासन तय करो

अभिषेक आज राजा का नहीं, प्रजा का है,

तैंतीस कोटि जनता के सिर पर मुकुट धरो।

आरती लिए तू किसे ढूँढ़ता है,

मंदिरों, राजप्रसादों, तहखानों में?

देवता कहीं सड़कों पर गिट्टी तोड़ रहे,

देवता मिलेंगे खेतों में, खलिहानों में।

फावड़े और हल राजदंड बनने को हैं,

दो राह, समय के रथ का घर्घर-नाद सुनो,

सिंहासन खाली करो कि जनता आती है

(क) काव्यांश में 'अंधकार' शब्द का प्रयोग किस अर्थ में किया गया है? 1

(i) जनतंत्र

(ii) लोकतंत्र

(iii) स्वतंत्रता

(iv) परतंत्रता

(ख) काव्यांश के अनुसार किसकी शक्ति समय और काल से भी बढ़कर है? 1

(i) राजा की

(ii) जनता की

(iii) गवाक्ष की

(iv) देवताओं की

(ग) निम्नलिखित कथन और कारण पर विचार करते हुए उपयुक्त विकल्प का चयन कर लिखिए: 1

कथन : कवि के अनुसार अब राज सिंहासन जनता का है, राजा का नहीं।

कारण : जनतंत्र में वास्तविक शक्ति जनता के मताधिकार में ही निहित है।

विकल्प -

(i) कथन गलत है, किंतु कारण सही है।

(ii) कथन और कारण दोनों गलत हैं।

(iii) कथन सही है और कारण, कथन की सही व्याख्या है।

(iv) कथन सही है किंतु कारण, कथन की सही व्याख्या नहीं है।

(घ) कवि सिंहासन किसके लिए और क्यों खाली करवाना चाहता है? 2

(ङ) काव्यांश में किसान और श्रमिकों को देवता क्यों कहा गया है? 2

खंड - ख

(व्यवहारिक व्याकरण)

प्रश्न 3.निर्देशानुसार 'रचना के आधार पर वाक्य भेद' पर आधारित पाँच प्रश्नों में से **<u>किन्हीं चार</u>** प्रश्नों के उत्तर लिखिए। (4x1=4)

(i) आगे बढ़कर मोती ने साँड़ का सामना किया। (संयुक्त वाक्य में रूपांतरित कीजिए)

(ii) मनीषा के विद्यालय पहुँचने से पूर्व शिक्षक जा चुके थे। (मिश्र वाक्य में रूपांतरित कीजिए)

(iii) रामवृक्ष बेनीपुरी दसवीं तक की शिक्षा प्राप्त करने के बाद स्वाधीनता आंदोलन से जुड़ गए। (रचना की दृष्टि से वाक्य भेद लिखिए।)

(iv) चोर ने देखा कि उसके बचाव का कोई उपाय नहीं है। (आश्रित उपवाक्य का भेद लिखिए)

(v) जब विपत्ति आए, तब धैर्य रखना। (सरल वाक्य में रूपांतरित कीजिए)

प्रश्न 4. निर्देशानुसार 'वाच्य' पर आधारित पाँच प्रश्नों में से **<u>किन्हीं चार</u>** प्रश्नों के उत्तर लिखिए। (4x1=4)

(i) महिमा से सोया नहीं जाता। (वाच्य भेद का नाम लिखिए)

(ii) हालदार साहब द्वारा पान खाया गया। (कर्तृवाच्य में बदलिए)

(iii) संदीप पतंग उड़ाता है। (वाच्य भेद का नाम लिखिए)

(iv) कर्मचारी कल फाइल भेजेगा। (कर्मवाच्य में बदलिए)

(v) जिस वाक्य में क्रिया का केंद्र बिंदु भाव हो, उसमें कौन-सा वाच्य होता है?

प्रश्न 5. निर्देशानुसार 'पद परिचय' पर आधारित पाँच प्रश्नों में से **<u>किन्हीं चार</u>** प्रश्नों के रेखांकित पदों का पद-परिचय लिखिए। (4x1=4)

(i) सुबह <u>हमें</u> यूमथांग के लिए निकल पड़ना था।

(ii) हलवाई <u>मीठी</u> जलेबियाँ बना रहा है।

(iii) अंकित कल कार <u>चला रहा था</u>।

(iv) बंदर <u>पेड़ पर</u> उछल-कूद कर रहा था।

(v) नवाब साहब <u>धीरे-धीरे</u> खीरा छीलने लगे।

प्रश्न 6. निर्देशानुसार 'अलंकार' पर आधारित पाँच प्रश्नों में से **<u>किन्हीं चार</u>** प्रश्नों की रेखांकित काव्य पंक्तियों में अलंकार पहचानकर लिखिए। (4x1=4)

(i) जिस दिन जन्म लियो आल्हा ने, <u>धरती धंसी अढाई हाथ</u>

(ii) <u>पाहुन ज्यों आए हों</u> गाँव में शहर के

(iii) इतना रोया था मैं उस दिन, <u>ताल-तलैया सब भर डाले</u>

(iv) <u>उर विहग-सा उड़ रहा है</u>, नील गगन के बीच

(v) <u>सागर के ऊपर नाच-नाच, लहरें करती हैं मधुर गान</u>

खंड - ग

(पाठ्य पुस्तक एवं पूरक पाठ्य पुस्तक)

प्रश्न 7. निम्नलिखित पठित गद्यांश पर आधारित बहुविकल्पीय प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प चुनकर लिखिए। (5X1=5)

बालगोबिन भगत की मौत उन्हीं के अनुरूप हुई। वह हर वर्ष गंगा-स्नान करने जाते। स्नान पर उतनी आस्था नहीं रखते जितना संत समागम और लोक-दर्शन पर। पैदल ही जाते। करीब तीस कोस पर गंगा थी। साधू को संबल लेने का क्या हक? और, गृहस्थ किसी से भिक्षा क्यों माँगें? अत: घर से खाकर चलते, तो फिर घर पर ही लौटकर खाते। रास्ते भर खँजड़ी बजाते, गाते जहाँ प्यास लगती, पानी पी लेते। चार-पाँच दिन आने-जाने में लगते; किन्तु इस लंबे उपवास में भी वही मस्ती! अब बुढ़ापा आ गया था, किन्तु टेक वही जवानी वाली। इस बार लौटे तो तबियत कुछ सुस्त थी। खाने-पीने के बाद भी तबियत नहीं सुधरी, थोड़ा बुखार आने लगा। किंतु नेम-व्रत तो छोड़ने वाले नहीं थे। वही दोनों जून गीत, स्नानध्यान, खेतीबारी देखना। दिन-दिन छीजने लगे।

(i) बालगोबिन भगत का प्रत्येक वर्ष गंगा-स्नान के लिए जाने का प्रमुख कारण क्या था?

(A) मन और शरीर को निर्मल करने की इच्छा

(B) मेले-ठेले में फसल बेच कर पैसे कमाना

(C) संतो की संगति और लोगों को देखने की लालसा

(D) कबीरपंथी मठ के दर्शन करने की लालसा

(ii) बालगोबिन भगत 'गंगा-स्नान' जाने के दौरान घर से अन्न लेकर नहीं चलते थे क्योंकि -

(A) इस दौरान उपवास रखना अनिवार्य होता था।

(B) उनकी पतोहू भोजन बनाकर नहीं देती थी।

(C) साधू व्यक्ति अन्न साथ लेकर नहीं चलता।

(D) वे भूख-प्यास से व्याकुल नहीं होते थे।

(iii) 'किन्तु टेक वही जवानी वाली।' यहाँ 'टेक' से आशय है -

(A) ज़िद

(B) दोस्ती

(C) दुश्मनी

(D) व्यवहार

(iv) कथन और कारण को पढ़कर उपयुक्त विकल्प चुनिए :

कथन (A): बालगोबिन भगत सिद्धांतों और आदर्शों का सख्ती से पालन करते थे।

कारण (R): तबीयत बिगड़ने पर भी उन्होंने अपनी दिनचर्या में बदलाव नहीं किया।

उपर्युक्त कथनों के आधार पर सही विकल्प का चयन कीजिए।

(A) कथन)A (सही है ,किंतु कारण) R(गलत है।

(B) कथन)A (और कारण) R (दोनों ही गलत हैं।

(C) कथन)A (सही है और कारण) R (कथन) A (की सही व्याख्या है।

(D) कथन)A (सही है और कारण) R (कथन) A (की सही व्याख्या नहीं है।

(v) प्रस्तुत गद्यांश में वर्णन नहीं है -

(A) भगत के गंगा स्नान जाने के पीछे छिपे उद्देश्य का

(B) गंगा स्नान के उपरांत भगत की बिगड़ी तबीयत का

(C) भगत द्वारा गीत गाते हुए खेत में फसल रोपने का

(D) भगत द्वारा अपने आदर्शों के अनुरूप जीवन जीने का

प्रश्न-8) निर्धारित गद्य पाठों के आधार पर निम्नलिखित चार प्रश्नों में से <u>किन्हीं तीन</u> प्रश्नों के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों में लिखिए- (3x2=6)

क) सरकंडे के चश्मे को 'उम्मीद जगाने वाला' कहने के पीछे लेखक का क्या आशय है?' नेताजी का चश्मा पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

ख) बालगोबिन भगत की दिनचर्या अन्य लोगों के लिए अचरज का विषय क्यों थी?

ग) 'लखनवी अंदाज़' पाठ में नवाब साहब दिखावे की शैली अपनाते हैं। वर्तमान संदर्भ में इस प्रकार की जीवन-शैली की समीक्षा कीजिए।

घ) 'कबीर' के कौन-से सिद्धांत बालगोबिन भगत के जीवन में स्पष्ट रूप से परिलक्षित होते (दिखाई देते) हैं?

प्रश्न 9. निम्नलिखित पठित पद्यांश पर आधारित बहुविकल्पीय प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प चुनकर लिखिए। (1X5=5)

सुनहु राम जेहि शिव धनु तोरा। सहसबाहु सम सो रिपु मोरा।।
सो बिलगाउ बिहाइ समाजा। न त मारे जैहहिं सब राजा।।
सुनि मुनिबचन लखन मुसुकाने। बोले परसुधरहि अवमाने।।
बहु धनुही तोरी लरिकाईं। कबहुँ न असि रिस कीन्हि गोसाईं।।
येहि धनु पर ममता केहि हेतू। सुनि रिसाइ कह भृगुकुलकेतू।।

(i) परशुराम धनुष तोड़ने वाले व्यक्ति को किसके समान अपना दुश्मन मानते हैं?

(A) विश्वमित्र के

(B) राम के

(C) सहस्रबाहु के

(D) लक्ष्मण के

(ii) किस पंक्ति में परशुराम धनुष तोड़ने वाले को बाकी लोगों से अलग हो जाने को कह रहे हैं?

(A) सहसबाहु सम सो रिपु मोरा

(B) न त मारे जैहहिं सब राजा

(C) सो बिलगाउ बिहाइ समाजा

(D) कबहुँ न असि रिस कीन्हि गोसाईं

(iii) कथन और कारण को पढ़कर उपयुक्त विकल्प चुनिए :

कथन (A): परशुराम अत्यंत क्रोध में है।

कारण (R): सीता स्वयंवर में परशुराम के फरसे को खंडित कर दिया गया है।

उपर्युक्त कथनों के आधार पर सही विकल्प का चयन कीजिए।

(A) कथन)A (सही है ,किंतु कारण) R(गलत है।

(B) कथन)A (और कारण) R (दोनों ही गलत हैं।

(C) कथन)A (सही है और कारण) R (कथन) A (की सही व्याख्या है।

(D) कथन)A (सही है और कारण) R (कथन) A (की सही व्याख्या नहीं है।

(iv) परशुराम के वचनों को सुनकर लक्ष्मण ने उत्तर दिया -

(A) घबरा कर

(B) हँस कर

(C) क्रोधित होकर

(D) मुस्कुरा कर

(v) लक्ष्मण के तर्क के अनुसार उन्होंने बचपन में ऐसे अनेक धनुष -

(A) बनाए हैं

(B) उठाए हैं

(C) सजाए हैं

(D) तोड़े हैं

प्रश्न-10) निर्धारित कविताओं के आधार पर निम्नलिखित चार प्रश्नों में से **<u>किन्हीं तीन</u>** प्रश्नों के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों में लिखिए। (3x2=6)

क) सूर के पदों के आधार पर गोपियों का योग-साधना के प्रति दृष्टिकोण स्पष्ट करें।

ख) 'आत्मकथ्य' कविता के आधार पर लिखिए कि कवि अपनी आत्मकथा में किन बातों का उल्लेख नहीं करना चाहता है?

ग) 'राम लक्ष्मण परशुराम संवाद' में व्यंग्य का अनूठा सौंदर्य है'– तर्कसहित उदाहरण देकर इस कथन की पुष्टि कीजिए।

प्रश्न-11) पूरक पाठ्य-पुस्तक के निर्धारित पाठों पर आधारित निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से **<u>किन्हीं दो</u>** <u>प्रश्नों</u> के उत्तर लगभग 50-60 शब्दों में लिखिए- (2x4=8)

क) यात्राएँ विभिन्न संस्कृतियों से परिचित करवाने का अच्छा माध्यम हैं। 'साना-साना हाथ जोड़ि' यात्रा-वृत्तांत के आलोक में इस कथन की समीक्षा कीजिए।

ख) बच्चे रोना-धोना, पीड़ा, आपसी झगड़े ज़्यादा देर तक अपने साथ नहीं रख सकते हैं। 'माता का अँचल' पाठ के आधार पर इस कथन को उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए।

ग) नागरिकों की मेहनत के कारण 'गंतोक' मेहनतकश बादशाहों का शहर कहलाया। आपके विचार से मेहनतकश नागरिक अपने शहर और राष्ट्र की प्रगति में किस प्रकार योगदान दे सकते हैं?

खंड - घ

(रचनात्मक लेखन)

12. निम्नलिखित तीन विषयों में से किसी एक विषय पर संकेत बिन्दुओं के आधार पर लगभग 120 शब्दों में एक अनुच्छेद लिखिए: 1X6=6

(क) प्रदूषण की समस्या

- प्रदूषण के प्रकार
- प्रदूषण का जीवन और पृथ्वी पर प्रभाव
- प्रदूषण की रोकथाम के उपाय

(ख) मोबाइल फोन का प्रभाव

- मोबाइल फोन की सुविधा और शिक्षा में उपयोगिता
- मोबाइल के दुष्परिणाम
- मोबाइल का प्रयोग और सावधानियाँ

(ग) समाचार-पत्रों का महत्त्व

- सूचना और ज्ञान का स्रोत
- जागरूक नागरिक बनाने में सहायक
- विद्यार्थी जीवन में समाचार-पत्रों की उपयोगिता

13. (क) आप नंदन/नंदिनी हैं| अपने क्षेत्र में आवारा जानवरों की समस्या के समाधान के लिए किसी लोकप्रिय समाचार-पत्र के संपादक को लगभग 100 शब्दों में पत्र लिखिए| 1X5=5

अथवा

(ख) आप आनंद/आनंदा हैं| आपके बड़े भाई मंचीय कवि हैं| उनके मंचीय प्रस्तुति की प्रशंसा समाचार पत्रों में छपी है| उनको बधाई देते हुए लगभग 100 शब्दों में पत्र लिखिए|

14. (क) आप श्रेयांश/ श्रेया हैं| आपने पत्रकारिता में स्नातक की उपाधि प्राप्त की है| आपके शहर से प्रकाशित होने वाले दैनिक समाचार पत्र में पत्रकारिता के लिए कुछ पद रिक्त हैं| उस पद के लिए आवेदन करने हेतु लगभग 80 शब्दों में अपना स्ववृत्त तैयार कीजिए| 1X5=5

अथवा

(ख) आप अंजनी/ अंजना हैं| आपके क्षेत्र में गंदा पानी फैला हुआ है| लोगों को बुखार भी हो रहा है| क्षेत्र की स्वच्छता हेतु नगर निगम के स्वास्थ्य अधिकारी को 80 शब्दों में ई-मेल लिखिए|

15. (क) आपकी बड़ी बहन ने जिम केंद्र (व्यायामशाला) खोला है| जिम के प्रचार हेतु 40 शब्दों में एक आकर्षक विज्ञापन तैयार कीजिए| 1X4=4

अथवा

(ख) आपके शिक्षक/ शिक्षिका को शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने पर शिक्षक पुरस्कार मिला है| उन्हें बधाई देते हुए लगभग 40 शब्दों में बधाई संदेश लिखिए |